भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4759
दिनांक 20 मार्च, 2026 को उत्तर के लिए

पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम

4759. **श्री थरानिवेंथन एम. एस.:**

क्या **महिला और बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम का ब्यौरा और विशेषताएं क्या हैं;
(ख) उक्त योजना के अंतर्गत आज की तिथि तक देश भर में अनुमानित निधियों का ब्यौरा क्या है;
(ग) उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत प्रारंभ में कितने राज्यों को शामिल किए जाने का प्रस्ताव है और इस संबंध में क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं;
(घ) क्या सरकार ने देश में उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत पहले ही कार्यकलाप शुरू कर दिए हैं;
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और
(च) उक्त राज्यों में प्राप्त इसकी प्रतिक्रिया का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क) से (घ) महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के अंतर्गत पोषण भी पढ़ाई भी (पीबीपीबी) पहल शुरू की। पीबीपीबी का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों को उच्च गुणवत्ता वाली अवसंरचना, खेल उपकरण और अच्छी तरह से प्रशिक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों से सुसज्जित करके आंगनवाड़ी प्रणाली के माध्यम से प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है।

प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा (ईसीसीई) की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में पहले कदम के रूप में आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की क्षमता निर्माण की परिकल्पना की गई है।

पीबीपीबी पहल के तहत, वित्त वर्ष 2023-24 से 2025-26 के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के प्रशिक्षण हेतु कुल 476.05 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। दो स्तरीय प्रशिक्षण मॉड्यूल के तहत, सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान के सहयोग से बाल विकास कार्यक्रम अधिकारियों (सीडीपीओ), पर्यवेक्षकों और अतिरिक्त संसाधन व्यक्तियों आदि को राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर (एसएलएमटी) के रूप में प्रशिक्षित किया जाता है, और बाद में एसएलएमटी आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। एसएलएमटी और आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की क्षमता निर्माण के लिए निधि मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के आवंटन से जारी की जाती है।

राउंड-1 में, 16 मार्च 2026 तक, 41,645 एसएलएमटी और 10,35,949 आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को ईसीसीई शिक्षण-पद्धति और पोषण सेवाओं की प्रदायगी में प्रशिक्षित किया गया है। प्रशिक्षण का राउंड-2 नवंबर, 2025 में शुरु किया गया था जिसका उद्देश्य ईसीसीई और पोषण, पोषण में नवाचार, पोषण ट्रैकर में नई सुविधाओं, भोजन पद्धतियां और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी आदि पर आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की समझ को बढ़ाना था।

पीबीपीबी के तहत, प्री-स्कूल शिक्षा (पीएसई) किटों के लिए आवंटन बढ़ाकर प्रति विद्यालय प्रति वर्ष 3,000 कर दिया गया है ताकि आंगनवाड़ी केंद्रों में पर्याप्त पीएसई किट उपलब्ध कराई जा सकें। दिनांक 29 नवंबर, 2023 को राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को ईसीसीई दिवस और सामुदाय आधारित कार्यक्रमों के आयोजन के लिए दिशानिर्देश जारी किए गए थे।

ईसीसीई की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से, सरकार ने मार्च 2024 में नवचेतना - 3 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था प्रोत्साहन हेतु एक राष्ट्रीय ढांचा - और आधारशिला - 3 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए ईसीसीई हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम - का शुभारंभ किया। नवचेतना ढांचा देखरेख करने वालों और आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को उत्तरदायी देखरेख के माध्यम से बच्चों के समग्र प्रारंभिक प्रोत्साहन के लिए सशक्त बनाता है। आधारशिला आंगनवाड़ी केंद्रों में दी जाने वाली प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करती है, जिसमें सभी शिक्षण क्षेत्रों को शामिल करते हुए खेल-आधारित गतिविधियों को प्राथमिकता दी जाती है।

सरकार ने अब तक 1,03,940 आंगनवाड़ी केंद्रों को सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों में उन्नत किया है ताकि लाभार्थियों को बेहतर पोषण मिल सके और प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख एवं शिक्षा सेवाओं पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जा सके। इस उन्नयन में एलईडी स्क्रीन और अन्य ऑडियो-विजुअल उपकरण, वाई-फाई/इंटरनेट कनेक्टिविटी (जहां भी संभव हो), सुरक्षित पेयजल सुविधाएं जैसे वाटर फिल्टर/आरओ सिस्टम, बाला (बिल्डिंग एज़ लर्निंग एड)

पेंटिंग, आयु-उपयुक्त ईसीसीई शिक्षण सामग्री, पोषण वाटिका (किचन गार्डन) और खाद्य सामग्री के लिए स्वच्छ भंडारण सुविधा आदि शामिल हैं।

(ड.) और (च): दिनांक 16 मार्च, 2026 तक पीबीपीबी प्रशिक्षण राउंड-1 के तहत प्रदान किए गए प्रशिक्षण की राज्य और संघ राज्य क्षेत्र-वार स्थिति **अनुलग्नक** में दी गई है।

*****

अनुलग्नक

"पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम(पीबीपीबी)" के संबंध में माननीय लोकसभा सांसद श्री थरानिवेंथन एम. एस. द्वारा पूछे गए दिनांक 20.03.2026 को उत्तर दिए जाने वाले राज्य सभा अतरांकित प्रश्न संख्या 4759 के भाग (ड.) और (च) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

पीबीपीबी के राउंड-1 के अंतर्गत राज्य और संघ राज्य क्षेत्र-वार प्रशिक्षण की स्थिति (दिनांक 16 मार्च, 2026 तक)

क्र. सं.	राज्य और संघ राज्य क्षेत्र का नाम	(एसएलएमटी)		एडब्लयूडब्लयू	
		लक्ष्य	पूरा हुआ	लक्ष्य	पूरा हुआ
1.	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	45	49	720	791
2.	आंध्र प्रदेश	2,059	2,050	54,908	53,446
3.	अरुणाचल प्रदेश	465	648	6225	4,298
4.	असम	2,353	2,794	60,964	56,721
5.	बिहार	3,366	2,178	1,12,094	91,885
6.	चंडीगढ़	24	33	434	616
7.	छत्तीसगढ़	2,126	2,009	51,245	42,131
8.	दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव	24	50	405	375
9.	दिल्ली	434	581	10498	10,444
10.	गोवा	65	64	1224	1,151
11.	गुजरात	2,044	2,127	49,884	34,812
12.	हरियाणा	804	808	23,902	21,980
13.	हिमाचल प्रदेश	746	744	18,663	10,999
14.	जम्मू और कश्मीर	1,265	1,244	27,543	24,936
15.	झारखंड	862	980	37,944	32,862
16.	कर्नाटक	2,247	2,149	64,118	18,316
17.	केरल	1,348	1,656	33,115	16,575
18.	लद्दाख	46	73	1143	1,152
19.	लक्षद्वीप	4	8	59	0
20.	मध्य प्रदेश	3,567	2,996	95,953	91,462
21.	महाराष्ट्र	2,892	2,475	1,05,023	1,04,352
22.	मणिपुर	489	636	11,466	10,978
23.	मेघालय	306	288	5896	5,127
24.	मिजोरम	161	202	2244	2,360

25.	नागालैंड	293	398	3980	3,798
26.	ओडिशा	3,266	2,742	73,314	20,960
27.	पुद्दुचेरी	19	47	595	616
28.	पंजाब	847	1,184	27,075	18,633
29.	राजस्थान	1,622	1,644	60,874	58,644
30.	सिक्किम	95	81	1308	389
31.	तमिलनाडु	2,062	1,828	43,602	43,652
32.	तेलंगाना	1,540	1,531	33,789	32,538
33.	त्रिपुरा	308	282	10,131	9,565
34.	उत्तर प्रदेश	3,585	2,132	1,59,938	89,138
35.	उत्तराखंड	652	634	19,311	16,622
36.	पश्चिम बंगाल	1,457	2,303	1,05,575	1,03,624

*****